

an>

Title: Regarding business of the house and consideration of the Ordinance.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Sir, two issues cannot be taken up at a time. Let this issue be first taken up. आज सरकार द्वारा जो ऑर्डिनंस सभा पटल पर रखा गया था, हम सब उसका पूरा विरोध करते हैं और इसलिए विरोध करते हैं...(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): यह विषय सदन में आया। जब स्पीकर महोदय ने यह वितरण कर दिया कि यह ऑर्डिनंस है, जब बिल लाया जाएगा तो उस पर चर्चा होगी। अगर इस प्रकार से पूरा तोड़कर बहस शुरू कराएंगे तो इसकी कोई सीमा नहीं है...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: First you speak and then I will allow Shri Venugopal.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Sir, I am on the same subject.

HON. DEPUTY-SPEAKER: I will allow you as well. Please take your seat. Now during this 'Zero Hour' I am allowing one or two people. First let Shri Kharge speak.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मेरा यह कहना है कि यह जो ऑर्डिनंस सभा पटल पर रखा गया है, आप कहेंगे कि रूट्स के मुताबिक इसे रखना चाहिए इसलिए रखा है, हमारा कहना यह है कि इस ऑर्डिनंस की जरूरत नहीं थी, क्योंकि यह ऑर्डिनंस आप जबर्दस्ती बार-बार लोगों पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं, यह जो ऑर्डिनंस है, एक बार पहले भी बिल के रूप में इस सदन में रखा गया था, उस वक्त भी विरोध पक्ष के सभी सदस्यों ने और उधर के भी काफी सदस्यों ने उसका विरोध किया था...(व्यवधान) इसके बावजूद यह पास हुआ और पास होने के बाद राज्य सभा में चला गया, जब राज्य सभा में चला गया तो वहां के सदस्यों ने इस बिल को पास नहीं होने दिया और यह बिल गिर गया। आपने 20 तारीख को दोनों सदन, राज्य सभा और लोक सभा को पुनः समवेत करने की तारीख तय की थी। लेकिन आपने राज्य सभा को प्रेरणित करके 23 तारीख तक के लिए एक्सटेंड किया, जबकि 20 तारीख से इस सदन की बैठक रखी ताकि आप इस ऑर्डिनंस को, जो कि जनता की मंशा के खिलाफ है, उसको ला सकें। आप बेक डोर से आना चाहते हैं और बेक डोर से इस कानून को लाना चाहते हैं। इससे आपकी दृष्टि साबित होती है कि किसी न किसी तरीके से इसे पास कराया जाए...(व्यवधान) इसके विरोध में हम सभी हैं और यह चाहते हैं कि आप इसे वापस लें...(व्यवधान) साथ ही देश की जनता यह चाहती है कि वर्ष 2013 का जो कानून है, उसी को बरकरार रखा जाए, क्योंकि वह किसानों के फायदे का है, सभी के लिए अच्छा है, उसे सभी ने स्वीकार किया है और आपने भी उसे स्वीकार किया है...(व्यवधान) राज्य सभा और लोक सभा में बीजेपी के नेताओं ने एकमत लेकर वर्ष 2013 के इस कानून को पास किया है...(व्यवधान) इसे पास हुए एक साल भी नहीं हुआ है और आप उसमें बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं, उसको इम्प्लीमेंट भी नहीं किया गया है...(व्यवधान) आप एक साल में ही इसमें बदलाव कर रहे हैं तो हम सब इसके विरोध में हैं...(व्यवधान) हम यह चाहते हैं कि आप इसे विद्वां की जाए...(व्यवधान) हम बंदोपाय या जी और अन्य नेतागण से बात करने के बाद इस पर निर्णय लेंगे। निर्णय लेने के बाद विचार प्रकट करेंगे, यही हम सब का विचार है।

श्री राजीव प्रताप रूडी : महोदय, आपने शून्य काल में इस विषय को उठाने की अनुमति दी है...(व्यवधान) मैं समझता हूँ कि यह अध्यादेश वैधानिक है और इस विषय पर पूर्व में विमर्श हो चुका है। वैधानिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यह अध्यादेश सदन में लाया गया है...(व्यवधान) मैं समझता हूँ कि सदन में खड़गे साहब जो विषय रख रहे हैं, यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है...(व्यवधान) मैं पक्के तौर से यह कह सकता हूँ कि सरकार इस देश में जो भी काम करेगी, वह गरीबों के लिए करेगी, किसानों के लिए करेगी...(व्यवधान) यह सरकार गरीबों और किसानों के लिए पूरे संकल्प के साथ काम कर रही है...(व्यवधान) मैं समझता हूँ कि जो वैधानिक प्रक्रिया है, उसको पूरा करने की दिशा में हम लोगों ने यह कार्यवाही की है और अध्यादेश को सभा पटल पर रखा गया है...(व्यवधान) जब अध्यादेश को विधेयक के रूप में लाया जाएगा तब इस पर चर्चा होगी।...(व्यवधान)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Is there any sequence? The leader of major Opposition talks on one issue. Then you have an issue about Andhra Pradesh. Then the third person comes back to the same issue. Is there any sequence in this House? ...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: The Minister cannot say so. ...(*Interruptions*)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Is this a discussion on land acquisition? Once a Member has raised a matter under 'Zero Hour', the second Member associates. You have to protect the House. ...(*Interruptions*) It is not the question of giving two minutes. Precedents cannot be changed. This is not the way the House can be run. When the hon. Member has already spoken on land acquisition, when the second Member has raised the issue about Andhra Pradesh, how can the third Member again go back to the issue of land acquisition? Is there a sequence? ...(*Interruptions*) Of course, we have to obey what you say. I understand that. But there has to be some sequence of issues in the House. How can you allow different subjects being linked to each other to be taken up? There are precedents. This is not the correct way of doing things in the House. ...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Let him say what he wants to say. Shri Sudip Bandyopadhyay, please conclude within one minute.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I oppose the fact that Minister is challenging your authority. ...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY-SPEAKER: No, he is not challenging.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I will conclude in one or half a minute. ...(*Interruptions*)

Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Bill, 2011 was debated on the floor of the House on 29th August, 2013. It was voted. The voting result was, Ayes : 216 and Noes : 19. I moved an amendment. That amendment was voted. The Trinamool Congress opposed it. Our leader, Kumari Mamata Banerjee, held a rally opposing this Ordinance, which has been introduced. We totally oppose this. We the Members of the Trinamool Congress walk out in protest against this Ordinance.

14.14 hrs

At this stage, Shri Sudip Bandyopadhyay and some other

hon. Members left the House.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: This is an Ordinance raj. We also oppose this and walk out in protest.

14.14 ½ hrs

At this stage, Shri Mallikarjun Kharge and some other

hon. Members left the House.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: The only submission which I would like to make to the House is the statement made by the Leader of the Congress Party in Rajya Sabha on 10.3.2015. I would like to bring it on record.

Shri Ghulam Nabi Azad who is the Leader of the Congress Party in Rajya Sabha had said: "Who stops the Government? Once we are done with the first half of the Session, you can go for the second Ordinance and nothing will change." It is the statement made by Shri Ghulam Nabi Azad in the other House.

It is the statement made by the leader of the Congress Party itself. So, this is just to bring facts on record of what they had to say as far as the Ordinance is concerned. This is a legitimate act on the part of the Government to bring the Ordinance. Once an Ordinance has been brought, it has to be positioned in the House and that is the only process which has been completed.